



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, वीरवार, 23 अक्तूबर, 2008 / 1 कार्तिक, 1930

हिमाचल प्रदेश सरकार

लोक निर्माण विभाग

अधिसूचनाएं

शिमला-2, 17 अक्तूबर, 2008

संख्या: पी.बी.डब्ल्यू (बी)एफ (5)145/2008.—यतः हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल को यह प्रतीत होता है कि हिमाचल प्रदेश सरकार को सरकारी व्यय पर सार्वजनिक प्रयोजन हेतु नामत गांव बखडोगी, तहसील चच्चोट, जिला मण्डी में कोट देवीदह सड़क के निर्माण हेतु भूमि अर्जित करनी अपेक्षित है, अतएव एतद् द्वारा यह घोषित किया जाता है कि निम्नलिखित विवरणी में वर्णित भूमि उपर्युक्त प्रयोजन के लिए अपेक्षित है।

2. यह अधिसूचना ऐसे सभी व्यक्तियों को, जो इससे सम्बन्धित हो सकते हैं, की जानकारी के लिए भू-अर्जन अधिनियम, 1894 की धारा-4 के उपबन्धों के अन्तर्गत जारी की जाती है।

3. पूर्वोक्त धारा द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राज्यपाल हिमाचल प्रदेश इस समय इस उपक्रम में कार्यरत सभी अधिकारियों उनके कर्मचारियों और श्रमिकों को इलाके की किसी भी भूमि में प्रवेश करने और सर्वेक्षण करने तथा उस धारा द्वारा अपेक्षित अथवा अनुमतः अन्य सभी कार्यों को करने के लिए सहर्ष प्राधिकार देते हैं।

4. कोई भी हितबद्ध व्यक्ति जिसे उक्त परिक्षेत्र में कथित भूमि के अर्जन पर कोई आपत्ति हो तो वह इस अधिसूचना के प्रकाशित होने के तीस (30) दिन की अवधि के भीतर भू-अर्जन समझौता, लोक निर्माण विभाग मण्डी, के समक्ष लिखित आपत्ति दायर कर सकता है।

विवरणी

जिला	तहसील	गांव	खसरा नम्बर	क्षेत्र (बीघा—बिस्वा)
मण्डी	चच्योट	बखडोगी	563 / 1	0—12—18
कुल जोड़			किता—1	0—12—18

शिमला—2, 17 अक्टूबर, 2008

संख्या: पी.बी.डब्ल्यू (बी)एफ (5)150/2008.—यतः हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल को यह प्रतीत होता है कि हिमाचल प्रदेश सरकार को सरकारी व्यय पर सार्वजनिक प्रयोजन हेतु नामत गांव शिला शानाडी, तहसील नाहन, जिला सिरमौर में नाहन—कुमारहटी सड़क को चौड़ा करने हेतु भूमि अर्जित करनी अपेक्षित है, अतएव एतद् द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि उक्त परिक्षेत्र में जैसा कि निम्न विवरणी में निर्दिष्ट किया गया है, उपरोक्त प्रयोजन के लिए भूमि का अर्जन अपेक्षित है।

2. यह अधिसूचना ऐसे सभी व्यक्तियों को, जो इससे सम्बन्धित हो सकते हैं, की जानकारी के लिए भू-अर्जन अधिनियम, 1894 की धारा—4 के उपबन्धों के अन्तर्गत जारी की जाती है।

3. पूर्वोक्त धारा द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राज्यपाल हिमाचल प्रदेश इस समय इस उपक्रम में कार्यरत सभी अधिकारियों उनके कर्मचारियों और श्रमिकों को इलाके की किसी भी भूमि में प्रवेश करने और सर्वेक्षण करने तथा उस धारा द्वारा अपेक्षित अथवा अनुमतः अन्य सभी कार्यों को करने के लिए सहर्ष प्राधिकार देते हैं।

4. कोई भी हितबद्ध व्यक्ति जिसे उक्त परिक्षेत्र में कथित भूमि के अर्जन पर कोई आपत्ति हो तो वह इस अधिसूचना के प्रकाशित होने के तीस (30) दिन की अवधि के भीतर भू-अर्जन समझौता, लोक निर्माण विभाग शिमला, के समक्ष लिखित आपत्ति दायर कर सकता है।

विवरणी

जिला	तहसील	गांव	खसरा नम्बर	क्षेत्र (बीघा—बिस्वा)
सिरमौर	नाहन	शिल्ली शनाडी	238 / 1	0—19
			247 / 1	1—11
			261 / 1	0—5
			263 / 1	0—13
		कुल जोड़	किता—4	3—8

संख्या: पी.बी.डब्ल्यू (बी)एफ (5)133/2008.—यतः हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल को यह प्रतीत होता है कि हिमाचल प्रदेश सरकार को सरकारी व्यय पर सार्वजनिक प्रयोजन हेतु नामत गांव रूनन घोड़ों, तहसील व जिला सोलन में कुमारहटी-नाहन सड़क को चौड़ा करने हेतु भूमि अर्जित करनी अपेक्षित है, अतएव एतद् द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि उक्त परिक्षेत्र में जैसा कि निम्न विवरणी में निर्दिष्ट किया गया है, उपरोक्त प्रयोजन के लिए भूमि का अर्जन अपेक्षित है।

2. यह अधिसूचना ऐसे सभी व्यक्तियों को, जो इससे सम्बन्धित हो सकते हैं, की जानकारी के लिए भू-अर्जन अधिनियम, 1894 की धारा-4 के उपबन्धों के अन्तर्गत जारी की जाती है।

3. पूर्वोक्त धारा द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राज्यपाल हिमाचल प्रदेश इस समय इस उपक्रम में कार्यरत सभी अधिकारियों उनके कर्मचारियों और श्रमिकों को इलाके की किसी भी भूमि में प्रवेश करने और सर्वेक्षण करने तथा उस धारा द्वारा अपेक्षित अथवा अनुमतः अन्य सभी कार्यों को करने के लिए सहर्ष प्राधिकार देते हैं।

4. कोई भी हितबद्ध व्यक्ति जिसे उक्त परिक्षेत्र में कथित भूमि के अर्जन पर कोई आपत्ति हो तो वह इस अधिसूचना के प्रकाशित होने के तीस (30) दिन की अवधि के भीतर भू-अर्जन एवं उप मण्डलाधिकारी (नागरिक), सोलन, हिमाचल प्रदेश के समक्ष लिखित आपत्ति दायर कर सकता है।

विवरणी

जिला	तहसील	गांव	खसरा नम्बर	क्षेत्र (बीघा—बिस्वा)
सोलन	सोलन	रूनन घोड़ों	225 / 1	6—00
			226 / 1	2—02
			342 / 315 / 196 / 5 / 5 / 7	5—09
			308 / 203 / 1	1—15
			246 / 1	5—16
			309 / 203 / 1	0—02
			204 / 1	5—12
			311 / 298 / 227 / 2	5—16
			240 / 1 / 1	6—02
			342 / 315 / 196 / 5 / 5 / 1	0—10
			209 / 1	1—08
कुल जोड़		किता—11	40—12	

शिमला-2, 3 अक्टूबर, 2008

संख्या: पी.बी.डब्ल्यू (बी)एफ (5)154/2008.—यतः हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल को यह प्रतीत होता है कि हिमाचल प्रदेश सरकार को सरकारी व्यय पर सार्वजनिक प्रयोजन हेतु नामत गांव डकरैर, तहसील पालमपुर जिला कांगड़ा में भवना-जयसिंहपुर सड़क के निर्माण हेतु भूमि अर्जित करनी अपेक्षित है, अतएव एतद् द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि उक्त परिक्षेत्र में जैसा कि निम्न विवरणी में निर्दिष्ट किया गया है, उपरोक्त प्रयोजन के लिए भूमि का अर्जन अपेक्षित है।

2. यह अधिसूचना ऐसे सभी व्यक्तियों को, जो इससे सम्बन्धित हो सकते हैं, की जानकारी के लिए भू-अर्जन अधिनियम, 1894 की धारा-4 के उपबन्धों के अन्तर्गत जारी की जाती है।

3. पूर्वोक्त धारा द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राज्यपाल हिमाचल प्रदेश इस समय इस उपक्रम में कार्यरत सभी अधिकारियों उनके कर्मचारियों और श्रमिकों को इलाके की किसी भी भूमि में प्रवेश करने और सर्वेक्षण करने तथा उस धारा द्वारा अपेक्षित अथवा अनुमतः अन्य सभी कार्यों को करने के लिए सहर्ष प्राधिकार देते हैं।

4. कोई भी हितबद्ध व्यक्ति जिसे उक्त परिक्षेत्र में कथित भूमि के अर्जन पर कोई आपत्ति हो तो वह इस अधिसूचना के प्रकाशित होने के तीस (30) दिन की अवधि के भीतर भू-अर्जन समाहता, लोक निर्माण विभाग उ0 क्षेत्र कांगड़ा के समक्ष अपनी आपत्ति दायर कर सकता है।

विवरणी

जिला	तहसील	गांव	खसरा नम्बर	क्षेत्र (है0 में)
कांगड़ा	पालमपुर	डकरैर	563/1	0-00-28
			565/1	0-00-75
			कुल किता-2	0-01-03

शिमला-2, 3 अक्टूबर, 2008

संख्या: पी.बी.डब्ल्यू (बी)एफ (5)162/2008.—यतः हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल को यह प्रतीत होता है कि हिमाचल प्रदेश सरकार को सरकारी व्यय पर सार्वजनिक प्रयोजन हेतु नामत गांव वहूला, तहसील पालमपुर, जिला कांगड़ा से भवना-जयसिंहपुर सड़क के निर्माण हेतु भूमि अर्जित करनी अपेक्षित है, अतएव एतद् द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि उक्त परिक्षेत्र में जैसा कि निम्न विवरणी में निर्दिष्ट किया गया है, उपरोक्त प्रयोजन के लिए भूमि का अर्जन अपेक्षित है।

2. यह अधिसूचना ऐसे सभी व्यक्तियों को, जो इससे सम्बन्धित हो सकते हैं, की जानकारी के लिए भू-अर्जन अधिनियम, 1894 की धारा-4 के उपबन्धों के अन्तर्गत जारी की जाती है।

3. पूर्वोक्त धारा द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राज्यपाल हिमाचल प्रदेश इस समय इस उपक्रम में कार्यरत सभी अधिकारियों उनके कर्मचारियों और श्रमिकों को इलाके की किसी भी भूमि में प्रवेश करने और सर्वेक्षण करने तथा उस धारा द्वारा अपेक्षित अथवा अनुमतः अन्य सभी कार्यों को करने के लिए सहर्ष प्राधिकार देते हैं।

4. कोई भी हितबद्ध व्यक्ति जिसे उक्त परिक्षेत्र में कथित भूमि के अर्जन पर कोई आपत्ति हो तो वह इस अधिसूचना के प्रकाशित होने के तीस (30) दिन की अवधि के भीतर भू-अर्जन समर्पता, लोक निर्माण विभाग उ० क्षेत्र कांगड़ा के समक्ष अपनी आपत्ति दायर कर सकता है।

विवरणी

जिला	तहसील	गांव	खसरा नम्बर	क्षेत्र (है० में)
कांगड़ा	पालमपुर	खैरा वहुला	73 / 1	0-00-34
			74 / 1	0-00-20
			75 / 1	0-00-30
			81 / 1 / 1	0-00-06
			82 / 1	0-00-08
			83 / 1	0-00-10
			84	0-00-06
			85	0-00-24
			85 / 1 / 1	0-00-52
			327 / 1	0-00-30
			331 / 1	0-00-11
			334 / 1	0-00-10
			337 / 1	0-00-08
			338 / 1	0-00-10
			339 / 1	0-00-10
			340 / 1	0-00-10
			353	0-00-15
			354	0-00-50
			355 / 1	0-00-63
			325	0-01-14
कुल किता 20				0-05-21

शिमला-2, 3 अक्टूबर, 2008

संख्या:पी.बी.डब्ल्यू (बी)एफ(5) 156 / 2008.—यतः हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल को यह प्रतीत होता है कि हिमाचल प्रदेश सरकार को सरकारी व्यय पर सार्वजनिक प्रयोजन हेतु नामत गांव कस्वा, तहसील, पालमपुर, जिला कांगड़ा में भवारना-जयसिंहपुर सड़क के निर्माण हेतु भूमि अर्जित करनी अपेक्षित है, अतएव एतद् द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि उक्त परिक्षेत्र में जैसा कि निम्न विवरणी में निर्दिष्ट किया गया है, उपरोक्त प्रयोजन के लिए भूमि का अर्जन अपेक्षित है।

2. यह अधिसूचना ऐसे सभी व्यक्तियों को, जो इससे सम्बन्धित हो सकते हैं, की जानकारी के लिए भू-अर्जन अधिनियम, 1894 की धारा-4 के उपबन्धों के अन्तर्गत जारी की जाती है।

3. पूर्वोक्त धारा द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश इस समय इस उपक्रम में कार्यरत सभी अधिकारियों उनके कर्मचारियों और श्रमिकों को इलाके की किसी भी भूमि में प्रवेश करने और सर्वेक्षण करने तथा उस धारा द्वारा अपेक्षित अथवा अनुमत: अन्य सभी कार्यों को करने के लिए सहर्ष प्राधिकार देते हैं।

4. कोई भी हितबद्ध व्यक्ति जिसे उक्त परिक्षेत्र में कथित भूमि के अर्जन पर कोई आपत्ति हो तो वह इस अधिसूचना के प्रकाशित होने के तीस (30) दिन की अवधि के भीतर लिखित रूप में भू-अर्जन समाहर्ता, लोक निर्माण विभाग उ० क्षेत्र कांगड़ा के समक्ष अपनी आपत्ति दायर कर सकता है।

विवरणी

जिला	तहसील	गांव	खसरा नम्बर	क्षेत्र (है० में)
कांगड़ा	पालमपुर	कस्वा	395 / 1	0-00-08
			397 / 1	0-00-76
			398 / 1	0-00-20
			400 / 1	0-00-16
			424 / 1	0-00-07
			425 / 1	0-00-36
			431 / 1	0-00-32
			463 / 1	0-02-63
			469 / 1	0-00-14
			482	0-01-18
			486 / 1	0-00-57
			487	0-00-85
			488	0-00-12
			497 / 1	0-00-60
			509 / 1	0-02-34
			540 / 1	0-00-54
कुल किता 16			0-10-92	

शिमला-2, 22 अक्टूबर, 2008

सं० पी०बी०डब्ल्यू० (बी०)एफ०-(5) 197 / 2008.—यतः हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल को यह प्रतीत होता है कि हिमाचल प्रदेश सरकार को सरकारी व्यय पर सार्वजनिक प्रयोजन हेतु गांव मडग्रों, उप तहसील उदयपुर, जिला लाहौल एवं स्पिति में तांदी किलाड़ सड़क के निर्माण हेतु भूमि अर्जित करनी अपेक्षित है, अतएव एतद् द्वारा यह घोषित किया जाता है कि निम्नलिखित विवरणी में वर्णित भूमि उपर्युक्त प्रयोजन के लिए अपेक्षित है।

2. यह अधिसूचना ऐसे सभी व्यक्तियों को, जो इससे सम्बन्धित हो सकते हैं, की जानकारी के लिए भूमि अर्जन अधिनियम, 1894 की धारा-4 के उपबन्धों के अन्तर्गत जारी की जाती है।

3. पूर्वोक्त धारा द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राज्यपाल हिमाचल प्रदेश इस समय इस उपक्रम में कार्यरत सभी अधिकारियों उनके कर्मचारियों और श्रमिकों को इलाके की किसी भी भूमि में प्रवेश करने और सर्वेक्षण करने तथा उस धारा द्वारा अपेक्षित अथवा अनुमत: अन्य सभी कार्यों को करने के लिए सहर्ष प्राधिकार देते हैं ।

4. कोई भी हितबद्ध व्यक्ति जिसे उक्त परिक्षेत्र में कथित भूमि के अर्जन पर कोई आपत्ति हो तो वह इस अधिसूचना के प्रकाशित होने के तीस (30) दिन की अवधि के भीतर भू-अर्जन समाहर्ता, एवं उपमण्डलाधिकारी (नागरिक) उदयपुर, जिला लाहौल एवं स्पिति के समक्ष लिखित आपत्ति दायर कर सकता है ।

विवरणी

जिला	उप तहसील	गांव	खसरा नम्बर	क्षेत्र (विघा-विस्वा)
लाहौल एवं स्पिति	उदयपुर	मडग्राँ	555 / 1	0-2-12
			637 / 1	0-1-10
			780 / 1	0-1-0
			759 / 1	0-6-3
			776 / 1	0-1-0
			579 / 1	0-0-9
			660 / 1	0-5-4
			632 / 1	0-4-0
			648 / 1	0-2-10
			634 / 1	0-4-7
			821 / 1	0-3-4
			661 / 1	0-0-15
			771 / 1	0-7-16
			652 / 1	0-1-14
			629 / 1	0-6-0
			775 / 1	0-7-1
			787 / 1	0-0-18
			656 / 2	0-4-5
			638 / 1	0-0-18
			628	0-1-0
			651 / 1	0-1-2
			777 / 2 / 1	0-6-8

649 / 1	0-4-12
582 / 1	0-1-2
589 / 1	0-5-14
601	0-9-0
782 / 1	1-13-16
770 / 1	0-2-15
624 / 1	0-2-2
630 / 1	0-2-2
630 / 2	0-1-5
653 / 1	0- 10-12
627 / 1	0- 1-0
631 / 1	0-6-0
632 / 2	0-0-6
635 / 1	0- 0-16
600 / 1	0- 0-16
636 / 1	0- 1-4
603 / 1	0- 0-17
कुल जोड़	किता-39 7-13-15

शिमला-2, 3 अक्टूबर, 2008

संख्या:पी.बी.डब्ल्यू (बी)एफ(5) 159 / 2008.—यतः हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल को यह प्रतीत होता है कि हिमाचल प्रदेश सरकार को सरकारी व्यय पर सार्वजनिक प्रयोजन हेतु नामत गांव कोठी, तहसील, पालमपुर, जिला कांगड़ा में भवाना-जयसिंहपुर सड़क के निर्माण हेतु भूमि अर्जित करनी अपेक्षित है, अतएव एतद् द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि उक्त परिक्षेत्र में जैसा कि निम्न विवरणी में निर्दिष्ट किया गया है, उपरोक्त प्रयोजन के लिए भूमि का अर्जन अपेक्षित है।

2. यह अधिसूचना ऐसे सभी व्यक्तियों को, जो इससे सम्बन्धित हो सकते हैं, की जानकारी के लिए भू-अर्जन अधिनियम, 1894 की धारा-4 के उपबन्धों के अन्तर्गत जारी की जाती है।

3. पूर्वोक्त धारा द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश इस समय इस उपक्रम में कार्यरत सभी अधिकारियों उनके कर्मचारियों और श्रमिकों को इलाके की किसी भी भूमि में प्रवेश करने और सर्वेक्षण करने तथा उस धारा द्वारा अपेक्षित अथवा अनुमतः अन्य सभी कार्यों को करने के लिए सहर्ष प्राधिकार देते हैं।

4. कोई भी हितबद्ध व्यक्ति जिसे उक्त परिक्षेत्र में कथित भूमि के अर्जन पर कोई आपत्ति हो तो वह इस अधिसूचना के प्रकाशित होने के तीस(30) दिन की अवधि के भीतर लिखित रूप में भू-अर्जन समाहर्ता लोक निर्माण विभाग उ0 क्षेत्र कांगड़ा के समक्ष अपनी आपत्ति दायर कर सकता है।

विवरणी

जिला	तहसील	गांव	खसरा नम्बर	क्षेत्र (है0 में)
कांगड़ा	पालमपुर	कोठी	1096	0—00—40
			1200 / 1	0—00—16
			1201 / 1	0—00—18
			1202 / 1	0—00—09
			कुल किता 4	0—00—83

शिमला-2, 3 अक्टूबर, 2008

संख्या:पी.बी.डब्ल्यू (बी)एफ(5) 164 / 2008.—यतः हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल को यह प्रतीत होता है कि हिमाचल प्रदेश सरकार को सरकारी व्यय पर सार्वजनिक प्रयोजन हेतु नामत गांव लौगणी, तहसील, पालमपुर, जिला कांगड़ा में भवारना-जयसिंहपुर सड़क के निर्माण हेतु भूमि अर्जित करनी अपेक्षित है, अतएव एतद् द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि उक्त परिक्षेत्र में जैसा कि निम्न विवरणी में निर्दिष्ट किया गया है, उपरोक्त प्रयोजन के लिए भूमि का अर्जन अपेक्षित है।

2. यह अधिसूचना ऐसे सभी व्यक्तियों को, जो इससे सम्बन्धित हो सकते हैं, की जानकारी के लिए भू-अर्जन अधिनियम, 1894 की धारा-4 के उपबन्धों के अन्तर्गत जारी की जाती है।

3. पूर्वोक्त धारा द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश इस समय इस उपक्रम में कार्यरत सभी अधिकारियों उनके कर्मचारियों और श्रमिकों को इलाके की किसी भी भूमि में प्रवेश करने और सर्वेक्षण करने तथा उस धारा द्वारा अपेक्षित अथवा अनुमतः अन्य सभी कार्यों को करने के लिए सहर्ष प्राधिकार देते हैं।

4. कोई भी हितबद्ध व्यक्ति जिसे उक्त परिक्षेत्र में कथित भूमि के अर्जन पर कोई आपत्ति हो तो वह इस अधिसूचना के प्रकाशित होने के तीस (30) दिन की अवधि के भीतर लिखित रूप में भू-अर्जन समाहर्ता ,लोक निर्माण विभाग उ0 क्षेत्र कांगड़ा के समक्ष अपनी आपत्ति दायर कर सकता है।

विवरणी

जिला	तहसील	गांव	खसरा नम्बर	क्षेत्र (है0 में)
कांगड़ा	पालमपुर	लौगणी	1184 / 619 / 1	0-01-17
			1190 / 675 / 1	0-01-05
			734 / 1	0-00-16

735 / 1	0-00-65
684 / 1	0-01-82
721 / 1	0-01-02
1173 / 2 / 1	0-01-64
1177 / 1	0-04-01
कुल किता 8	0-11-52

शिमला-2 3 अक्टूबर, 2008

संख्या:पी.बी.डब्ल्यू. (बी)एफ(5) 161 / 2008.—यतः हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल को यह प्रतीत होता है कि हिमाचल प्रदेश सरकार को सरकारी व्यय पर सार्वजनिक प्रयोजन हेतु नामत गांव कनयालकड, तहसील, पालमपुर, जिला कांगड़ा में भवारना-जयसिंहपुर सड़क के निर्माण हेतु भूमि अर्जित करनी अपेक्षित है, अतएव एतद् द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि उक्त परिक्षेत्र में जैसा कि निम्न विवरणी में निर्दिष्ट किया गया है, उपरोक्त प्रयोजन के लिए भूमि का अर्जन अपेक्षित है।

2. यह अधिसूचना ऐसे सभी व्यक्तियों को, जो इससे सम्बन्धित हो सकते हैं, की जानकारी के लिए भू-अर्जन अधिनियम, 1894 की धारा-4 के उपबन्धों के अन्तर्गत जारी की जाती है।

3. पूर्वोक्त धारा द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश इस समय इस उपक्रम में कार्यरत सभी अधिकारियों उनके कर्मचारियों और श्रमिकों को इलाके की किसी भी भूमि में प्रवेश करने और सर्वेक्षण करने तथा उस धारा द्वारा अपेक्षित अथवा अनुमतः अन्य सभी कार्यों को करने के लिए सहर्ष प्राधिकार देते हैं।

4. कोई भी हितबद्ध व्यक्ति जिसे उक्त परिक्षेत्र में कथित भूमि के अर्जन पर कोई आपत्ति हो तो वह इस अधिसूचना के प्रकाशित होने के तीस (30) दिन की अवधि के भीतर लिखित रूप में भू-अर्जन समाहर्ता, लोक निर्माण विभाग उ० क्षेत्र कांगड़ा के समक्ष अपनी आपत्ति दायर कर सकता है।

विवरणी

जिला	तहसील	गांव	खसरा नम्बर	क्षेत्र (है० में)
कांगड़ा	पालमपुर	कनयालकड	99 / 1	0-00-75
			135 / 1	0-00-78
			238 / 1	0-00-04
			239	0-00-27
			241	0-00-27
			242	0-00-32
			246 / 1	0-02-20
			248 / 1	0-00-64
			249	0-00-40

652 / 251 / 1	0-00-12
653 / 251 / 1	0-00-16
253 / 1	0-00-07
255 / 1	0-00-08
267 / 1	0-00-30
268 / 1	0-00-24
269 / 1	0-00-14
307 / 1	0-00-09
कुल किता 17	0-06-87

आदेश द्वारा,
हस्ताक्षरित /—
सचिव ।

ब अदालत जनाव कली राम, कार्यकारी दण्डाधिकारी (नायब तहसीलदार), कोटखाई, जिला शिमला (हि0 प्र0)

श्री जगदीश कुमार पुत्र श्री जालमू सिंह, पुत्र श्री हीरा, गांव पान्दली परोटी, तहसील व डाकघर
कोटखाई . . प्रार्थी ।

बनाम

आम जनता . . प्रतिवादीगण ।

प्रार्थना—पत्र जेर धारा 13 (3) जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969 के अन्तर्गत जन्म तिथि दर्ज करने बारा ।

उपरोक्त मुकद्दमा में जगदीश पुत्र श्री जालमू पुत्र श्री हीरा, गांव पान्दली परोटी, डाकघर व तहसील कोटखाई, जिला शिमला (हि0 प्र0) ने दिनांक 1-10-2008 को दरखास्त गुजारी है कि उनके पुत्र गुलशन पुत्र श्री जगदीश कुमार, गांव पान्दली परोटी, तहसील व डाकघर कोटखाई के उनका जन्म मिति 21-3-1997 में (एक्कीस मार्च उन्नीस सौ सतानवें) हुआ है। परन्तु अनपढ़ व अज्ञानता की बजह से उनको 1997 दर्ज किया है मुझे यह ज्ञान हुआ है कि मेरा बेटा 21-3-1999 में (21 मार्च उन्नीस सौ नियानवें) में जन्म हुआ है। क्योंकि मैं अनपढ़ व अज्ञानता की बजह से यह मालूम न था कि कब मैंने बेटे को पंचायत में जन्म दर्ज किया ।

अतः आम जनता को इस इशतहार द्वारा सूचित किया जाता है कि किसी को गुलशन पुत्र श्री जगदीश कुमार पुत्र श्री हीरा, गांव पान्दली परोटी, डाकघर व तहसील कोटखाई, जिला शिमला (हि0 प्र0) ग्राम पंचायत

पान्दली व आम जनता को जन्म तिथि दर्ज करने में कोई उजर व एतराज हो तो वह दिनांक 28-10-2008 को अधोहस्ताक्षरी के सामने अपना पक्ष प्रस्तुत करें अन्यथा एक तरफा कार्यवाही अमल में लाई जाएंगी।

मोहर।

कली राम,
कार्यकारी दण्डाधिकारी, (नायब तहसीलदार),
कोटखाई, जिला शिमला (हि0 प्र0)।